विहार विधान सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि १ली सितम्बर, १९५४ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अध्यक्ष द्वारा स्वागत सम्बोधन।

ADDRESS OF WELCOME BY THE SPEAKER.

अध्यक्ष—माननीय सदस्यगण, संविधान के अन्तर्गत संगठित प्रथम विधान सभा के पंचम सत्र के आरम्भावसर पर मैं आप सबों का हृदय से स्वागत करता हूं और आशा करता हूं कि सदा की भांति इस बार भी माननीय सदस्यगण संभा की कार्यवाहियों में पूर्ण उमंग एवं उत्साह के साथ भाग लेंगे।

इस वार उत्तर विहार में बाढ़ का भीषण प्रकोप एक दुःखद एवं अभूतपूर्व घटना हुई है। तिरहुत प्रमंडल के अधिकांश गांव तथा नगर जलमग्न हैं और लाखों मनुष्यों को अपरिमित क्षति पहुंची है। प्रकृति के इस कुठाराघात पर हम क्षुब्ध और शोकाकुल हैं। बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों की जनता के प्रति यहां उपस्थित उनके प्रतिनिधियों के माध्यम से मैं अपनी ओर से तथा राज्य के अन्य क्षेत्रों के सदस्यों की ओर से संवेदना प्रकट करता हूं।

अब सभा की कार्यवाही माननीय सदस्यों में वितरित कार्यसूची के अनुसार प्रारंभ होगी।]

विरोधी दल के नेता के सम्बन्ध में घोषणा।

ANNOUNCEMENT REGARDING THE LEADER OF OPPOSITION.

अध्यक्ष—मुझे एक विशेष सूचना देनी है वह यह है कि विरोधी दल के नेता पहले हमारे श्री सिदुई हेम्ब्रोम थे। वे अब विरोधी दल के नेता नहीं रहे। उनकी जगह पर श्री सुशील कुमार बागे, जो झारखंड पार्टी के सदस्य हैं, निर्वाचित हुए हैं। उनको मैं विरोधी दल का नेता घोषित करता हूं।

(ख) किस चीज को किस रेट में लिया गया ;

(ग) क्या इन चीजों का टेण्डर मांगा गया था, यदि हां, तो किन-किन लोगों ने टेण्डर दिया ;

(घ) किसके टेण्डर का क्या रेट था ;

(ङ) इतने दिनों में इस जेल में कितनी खाद्य एवं अन्य सामग्रियां जेल के कैदियों से उपार्जन की जा सकीं ?

श्री शाह उजैर मुनेमी—(क), (ख), (ग), (घ) और (ङ) इस विषय पर खबर संग्रह करने में जो समय और श्रम लगेगा परिणाम के हिसाब से लाभप्रद नहीं होगा।

गिरीडीह सब-जेल में अन्न तथा अन्य सामग्रियों की खरीद।

१०५। श्री पुनीत राय—क्या मंत्री, कारागार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) गिरीडीह सब-जेल में १९५२-५३ तथा १९५३-५४ में कितना कौन-कौन अन्न तथा अन्य सामग्रियां खरीदी गयीं ;

(ख) किस चीज को किस दर से खरीदा गया ;

(ग) क्या इन चीजों को लेने के पूर्व टेंडर मांगा गया था, यदि हां, तो किन-किन लोगों ने किन चीजों का टेंडर दिया था ;

(घ) किनके टेंडर का क्या रेट था, एवं कब किस को कितनी क्या चीज दी ;

(ङ) गिरीडीह जेल के कैदियों द्वारा इतने दिनों में कितना क्या उपार्जन हुआ।

श्री शाह उजैर मुनेमी—(क) एक विवरण नीचे दिया गया है (अनुसूची क)।

(ख) मेज पर रखे विवरण के कालम ४ में इसका उत्तर है (अनुसूची क)।

(ग) उत्तर स्वीकारात्मक है। जिन्होंने टेंडर दिये थे उनका नाम मेज पर रखे विवरण के कालम ३ में है (अनुसूची ख)।

(घ) सूचना नीचे दिये अनुसूची (ख) वाले विवरण में है (अनुसूची ख)।

(ङ) इस अवधि में कैदियों को कोई भी चीज नहीं बनाई ऐसे सब-जेलों में जहां विचाराधीन कैदी रखे जाते हैं कोई उद्योग नहीं कराया जाता।

अनुसूची (क)

१९५२-५३

क्रम सं०	चीजों का नाम ।	वजन मन	सेर	छटांक	दर प्रतिमन । रु०	आ०	पा०
१	चावल	७२१	०	०	३०	०	०
२	दाल	२६९	०	०	२४	०	०
३	चाना	२०३	०	०	१९	०	०
४	गुड़	१३८	३२	०	१७	०	०
५	आलू	२७८	२०	०	१६	४	०
६	सब्जी	३७४	२०	०	९	०	०
७	तेल	५३	२०	०	७०	०	०
८	मसाला	२५	६	०	६०	०	०
९	खटाई	१८	२	०	२०	०	०
१०	निमक	६४	५	०	५	०	०
११	आटा	५३	०	०	२५	०	०
१२	सत्तु	२६०	०	०	३०	०	०
१३	मास (गोश्त)	१७	१३	०	१७	८	०
१४	दूध	३	३४	०	२७	८	०
१५	चूड़ा	५	५	०	४०	०	०
१६	दही	४८	१२	०	३७	८	०
१७	कोयला	५५२	१४	०	१	४	०
१८	लकड़ी	२५	०	०	२	०	०
१९	दतुअन	२,४०० बंडल			०	०	०

अनुसूची (क)—(क्रमशः)

१९५३-५४ जनवरी तक ।

क्रम संख्या ।	चीजों का नाम ।	वजन ।	दर । प्रतिमन ।	कैफियत ।
१	२	३	४	५
		मन सेर छंटाक	रु० आ० पा०	
१	चावल ..	४६१ ० ०	२७ ० ०	नोट:—अन्न सामग्रियों में साबुन, किरासन तेल, सोडा, फिनाइल, झाड़, शीशा, बत्ती, इत्यादि तथा छोटी-छोटी ऑफिस सामग्रियां इत्यादि और यह आवश्यकतानुसार खरीदी जाती हैं । यह कन्टेनजेन्सी के अधीन है और उसका टेंडर नहीं होता है ।
२	दाल ..	१६० ० ०	२३ १२ ०	
३	चना ..	१३५ २६ ०	२१ १२ ०	
४	गुड़ ..	८० १५ ०	२० ० ०	
५	आलू ..	१८० २७ ०	१४ १४ ०	
६	सबजी ..	२६० ० ०	७ १२ ०	
७	तेल ..	३५ २० ०	६० ० ०	
८	मशाला ..	१७ ७ ०	५५ ० ०	
९	खटाई ..	१० १० ०	१५ ० ०	
१०	निमक ..	४५ ३२ ०	४ ५ ०	
११	आटा ..	५५४ २२ ०	२४ १२ ०	
१२	मांस ..	१६ २ ०	८५ ० ०	
१३	दूध ..	३ २० ०	२५ ० ०	
१४	चूड़ा ..	४ ५ ०	३० ० ०	
१५	दही ..	२६ ८ ०	३७ ८ ०	
१६	कोयला ..	४४० ० ०	१ ३ ०	
१७	लकड़ी ..	२६ ० ०	२ ० ०	
१८	दतुअन	२,००० बंडल	० १ ३	

अनुसूची (ख)

१९५२-५३

टेंडर देनेवालों का नाम ।

क्रम संख्या।	टेंडरवाली चीजों का नाम ।	श्री दुर्गाचरण कुमार ।	कैफियत ।

पहली बैठक १३ मई, १९५२ की दर ।

		रु० आ० पा०	
१	दाल रहर	.. २४ ० ०	प्रतिमन
२	चना	.. १९ ० ०	
३	गुड़	.. १७ ८ ०	
४	सत्तू	.. ३० ० ०	
५	चूड़ा	.. ४० ० ०	
६	आटा	.. २५ ० ०	
७	आलू	.. १६ ४ ०	
८	हरी तरकारी	. ९ ० ०	
९	कड़ुवा तेल	.. ७० ० ०	
१०	मसाला	...६० ० ०	
११	कोयला	.. १ ४ ०	
१२	खटाई	.. २० ० ०	
१३	चीनी	.. ३७ २ ०	
१४	निमक	.. ५ ० ०	

श्री दुर्गा चरण कुमार सं० १ से १४ तक वाली चीजों को देने के लिये स्वीकार किये गये ।

श्री परमेश्वर सिंह—दूसरी बैठक १५ मई, १९५२ ।

१५	चावल	.. ३१ ० ०	प्रतिमन	३०	०	०	प्रतिमन
१६	मांस (गोश्त)	१२० ० ०		२	७	०	प्रतिसेर
१७	दही	.. ७० ० ०	प्रतिमन	०	१५	०	प्रतिसेर
१८	दूध	.. ३० ० ०	प्रतिमन	०	११	०	

श्री परमेश्वर सिंह को १५, १६, १७ और १८ नं० वाली चीजों को देने के लिये स्वीकार किया गया ।

अनुसूची (ख)—(क्रमशः)
१९५३-५४।

क्रम संख्या।	चीजों का नाम।	टेंडर देने वालों का नाम।													
		श्री दुर्गा चरण कुमार।			श्री परमेश्वर सिंह।			श्री राधेश्याम।			श्री नगीना सिंह।			श्री मदन मोहन सिंह।	कैफियत।
१	२	३			४			५			६			७	८
		प्रतिमन			प्रतिमन			प्रतिमन			प्रतिमन				
		रु०	आ०	पा०	रु०	आ०	पा०	रु०	आ०	पा०	रु०	आ०	पा०		
१	चावल ..	२६	०	०	२६	१२	०	२७	०	०	२८	०	०	श्री मदन मोहन सिन्हा ने अपने बन्द टेंडर में लिखा है कि उम्दा चीजों के लिये परचेज कमिटी से सब से कम दर स्वीकार करने पर मेरा चार आना प्रतिमन कम दर	१—श्री दुर्गा चरण नं० १, ५, १२, १३ और १७ नंबर वाली चीजों को देने के लिये स्वीकार किया गया। २—श्री परमेश्वर सिंह २, ४, ६, ७, ८, ११ और १८ नम्बर वाली
२	दाल रहर ..	२३	८	०	२३	१२	०	२४	०	०	२७	०	०		
३	चना ..	१९	०	०	१९	०	०	१९	०	०	२३	०	०		
४	आटा ..	२५	०	०	२४	२	०	०	०	०	२५	०	०		
५	गुड़ ..	१७	०	०	१७	८	०	१७	८	०	१८	०	०		
६	मसाला ..	६०	०	०	५५	०	०	६०	०	०	६०	०	०		

अनुसूची—(ख)—(क्रमशः)

क्रम संख्या।	चीजों का नाम।	टेण्डर देने वालों का नाम। श्री दुर्गा चरण कुमार।	श्री परमेश्वर सिंह।	श्री राधेश्याम।	श्री नगीना सिंह।	श्री मदन मोहन सिंह।	कैफियत।
१	२	३	४	५	६	७	८
		प्रतिमन	प्रतिमन	प्रतिमन	प्रतिमन		
		रु० आ० पा०	रु० आ० पा०	रु० आ० पा०	रु० आ० पा०		
७	हरी तरकारी	८ ० ०	७ १२ ०	१० ० ०	१० ० ०	रहेगा।	चीजों के लिये
८	आलू ..	१५ ० ०	१४ १४ ०	१६ ० ०	१६ ० ०		स्वीकार किए गए।
९	कड़ू तेल ..	७० ० ०	६७ ८ ०	६० ० ०	७० ० ०		३—श्री राधे-
१०	निमक ..	५ ० ०	५ ० ०	५ ० ०	६ ४ ०		श्याम को नं० ३, ६, १०, १४,
११	कोयला ..	१ ८ ०	१ ५ ०	१ ४ ०	१ ८ ०		और १६ चीजों को देना स्वीकार किया गया।

१२	खटाई	..	१५	०	०	१७	८	०	२०	०	०	२०	०	०
१३	चीनी	..	१०	०	०	४०	०	०	०	०	०	४०	०	०
१४	दूध	..	४०	०	०	२५	०	०	२५	०	०	३०	०	०
१५	मांस	..	११०	०	०	९५	०	०	९७	८	०	१००	०	०
१६	दही	..	४०	०	०	३७	८	०	३७	८	०	४०	०	०
१७	चूड़ा	..	१०	०	०	३५	०	०	४०	०	०	४०	०	०
१८	दतुअन	..	१	०	०	१	३	०	०	२	०	०	२	०
			प्रति १०० ।											

नोट:—(१) परचेज कमिटी की दूसरी बैठक ता० १४ मई, १९५३ को हुई। चना और निमक के लिये टेंडर मांगा गया। इसमें श्री परमेश्वर सिंह का टेंडर कम था और चना २१-१२-० और निमक ४-५-० की दर स्वीकार किया गया।

नोट:—(२) श्री दुर्गा चरण कुमार १ अप्रिल, १९५३ से ३० जून, १९५३ तक चावल, गुड़, खटाई, चीनी, और चूड़ा दिये हैं; १ली जुलाई से वे इस्तिफा दिये, इसलिये उनकी मंजूर की हुई टेंडर की चीजों श्री परमेश्वर सिंह को निम्नलिखित दर से कारागार महानिरीक्षक ने स्वीकार किया।

	रु०	आ०	पा०
चावल ..	२७	०	०
गुड़ ..	२०	०	०
खटाई ..	१५	०	०
चूड़ा ..	३०	०	०
चीनी ..	३०	०	०